Downloaded from www.studiestoday.com

यूनिट 8

आय और रोजगार का निर्धारण

स्मरणीय बिंदु:

- एक अर्थव्यवस्था में वस्तुओं व सेवाओं की कुल मांग को समग्र मांग (AD) कहते है। इसे कुल व्यय के रूप में मापा जाता है।
- समग्र मांग के मुख्य घटक निम्नलिखित है :,

  (i) उपभोग व्यय (c)

  (ii) निवेश (I)

  (iii) सरकारी व्यय (G)

  (iv) शुद्ध निर्यात (X-M)

  दो क्षेत्र वाली अर्थव्यवस्था में AD = C+I
- एक अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं की कुल पूर्ति समग्र पूर्ति (AS) कहलाती है। समग्र पूर्ति के मौद्रिक मूल्य को ही राष्ट्रीय उत्पाद या राष्ट्रीय आय कहते है। अर्थात् राष्ट्रीय आय सदैव समग्र पूर्ति के समान होती है।

  AS = C+S
- समग्र पूर्ति देश के राष्ट्रीय आय को प्रदर्शित करती है।

  AS = Y (राष्ट्रीय आय)
- उपभोग फलन आय (Y) और उपभोग (C) के बीच फलनात्मक संबंध को दर्शाता है। C=f(y)

  यहां

  C = उपभोग Y = आय F = फलनात्मक संबंध

  अथवा

  $C = \bar{C} + MPC\ (Y)$

  $\bar{C}$ = स्वायत्त उपभोग

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- उपभोग फलन (उपभोग प्रवृत्ति) दो प्रकार की होती है।

  1. औसत उपभोग प्रवृत्ति (APC)
  2. सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC)

औसत उपभोग प्रवृत्ति (APC) : औसत उपभोग प्रवृत्ति को समग्र उपभोग तथा समग्र आय के अनुपात के रूप में परिभाषित किया जाता है।

APC = उपभोग (C) / आय(Y)

APC के संबंध में महत्वपूर्ण बिन्दु :

(i) APC इकाई से अधिक होता है जब तक उपभोग, राष्ट्रीय आय से अधिक होता है। समता स्तर बिंदु से पहले ACP >1

(ii) APC = 1 समता स्तर बिंदु पर यह इकाई के बराबर होता है जब उपभोग और आय बराबर होता है। C = Y

(iii) आय बढ़ने के कारण APC लगातार घटती है।

(iv) APC कभी भी शून्य नहीं हो सकती, क्योंकि आय के शून्य स्तर पर भी स्वायत्त उपभोग होता है।

- **सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) :**

  आय में परिवर्तन तथा उपभोग में परिवर्तन के अनुपात को, सीमांत उपभोग प्रवृत्ति कहते है।

  MPC = उपभोग में परिवर्तन (c) / आय में परिवर्तन (y)

(1) **MPC का मान शून्य तथा एक के बीच में रहता है :** अगर सम्पूर्ण अतिरिक्त आय उपभोग हो जाती है तब c = y अतः MPC = 1।

लेकिन यदि संपूर्ण अतिरिक्त आय की बचत कर ली जाती है तो c = o अतः MPC =0।

- बचत फलन, बचत और आय के फलनात्मक संबंध को दर्शाता है।

  S = f (y)
  यहां
  S = बचत Y = आय F = फलनात्मक संबंध
  अथवा
  S = S+ MPS (Y)
  S = आय के शून्य स्तर पर बचत

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- बचत फलन (बचत प्रवृत्ति) दो प्रकार की होती है। APS तथा MPS

  APS = बचत(S)/आय(Y)

- **औसत बचत प्रवृत्ति (APS) की विशेषताएं :**

  (1) APS कभी भी इकाई या इकाई से अधिक नही हो सकती क्योंकि कभी भी बचत आय के बराबर या आय से अधिक नही हो सकती।

  (2) APS शून्य हो सकती : समता स्तर बिंदु पर जब C=Y है तब S=0।

  (3) APS ऋणात्मक या इकाई से कम हो सकता है। समता स्तर बिंदु से नीचे स्तर पर APS ऋणात्मक हो सकती है। क्योकि अर्थव्यवस्था में अबंचत होती है।

  (4) APS आय के बढ़ने के साथ बढ़ती है।

- **सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) :** आय में परिवर्तन के फलस्वरूप बचत में परिवर्तन के अनुपात को सीमांत बचत प्रवृत्ति कहते हैं।

  MPS = बचत में परिवर्तन S /आय में परिवर्तन Y

  # MPC का मान शून्य तथा इकाई (एक) के बीच में रहता है।

  (1) MPS=1 यदि सम्पूर्ण अतिरिक्त आय की बचत कर ली जाती है तब S Y

  (2) MPS=0 यदि सम्पूर्ण अतिरिक्त आय, अपभोग कर ली जाती है S O.

  # औसत उपभोग प्रवृत्ति (APC) तथा औसत बचत प्रवृत्ति (APS) में संबंध।

  APC+APS =1 यह सदैव ऐसा ही होता है, क्योंकि आय को या तो उपभोग किया जाता है या फिर आय की बचत की जाती है।

  प्रमाण: y=c+s यह

  दोनों पक्षो का y से भाग देने पर

  = Y/Y =C/Y+S/Y

  = 1= APC+APS

  अथवा APC = I - APS या APS = I - APC इस प्रकार APC तथा APS का योग हमेशा इकाई के बराबर होता है।

  # सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) तथा सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) में संबंध।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

MPC+MPS = I ऐसा हमेशा होता है, क्योंकि MPC हमेशा सकारात्मक होती है तथा 1 से कम होती है इसलिए MPS भी सकारात्मक तथा 1 से कम होनी चाहिए।

प्रमाण : Y = C+S

= y = c + s

दोनो पक्षों को y से भाग करने पर

y/ y = c/ y + s/ y

= 1= MPC + MPS अथवा

= MPC =1 - MPS अथवा

MPS =1 - MPC

इस प्रकार, MPC तथा MPS का योग हमेशा इकाई के बराबर होता है।

- निवेश का अर्थ है कि नई पूंजीगत सम्पत्तियों जैसे – मशीनें, यंत्र, औजार, माल आदि के क्रय पर व्यय करना। इसका अर्थ अर्थव्यवस्था में पूंजीगत वस्तुओं के स्टॉक में वृद्धि करना है।
- निवेश दो प्रकार का होता है।

  (1) प्रेरित निवेश

  (2) स्वतंत्र अथवा स्वायन्त निवेश
- प्रेरित निवेश : प्रेरित निवेश वह निवेश है जो लाभ कमाने की भावना से प्रेरित होकर किया जाता है। प्रेरित निवेश का आय से सीधा सम्बन्ध होता है।
- **स्वतंत्र (स्वायत्त) निवेश :** स्वायत्त निवेश वह निवेश है जो आय के स्तर से प्रभावित नही होता अर्थात आय निरपेक्ष होता है।
- **निवेश की सीमांत कुशलता :** निवेश की सीमांत कुशलता को निवेश की प्रति इकाई के लगाने से प्राप्त होने वाले लाभ की अपेक्षित दर के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
- **नियोजित बचत :** अर्थव्यवस्था में सब गृहस्थों द्वारा एक समय अवधि में आय के निश्चित स्तर पर जितनी बचत करने की योजना अवधि के शुरू में बनाई जाती है उसे नियोजित बचत कहते है।
- **नियोजित निवेश :** अर्थव्यवस्था में फर्मो द्वारा एक समयावधि में आय के निश्चित स्तर पर जितना निवेश करने की योजना अवधि के शुरू में बनाई जाती है उसे नियोजित निवेश कहते है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- **वास्तविक बचत :** वास्तविक बचत से आशय आय में से बचाकर रखी गई उस राशि से है जिसका आकलन अवधि की समाप्ति पर होता है।
- **वास्तविक निवेश :** किसी अर्थव्यवस्था में एक वित्तीय वर्ष में किए गए कुल निवेश को वास्तविक निवेश कहा जाता है।
- आय का संतुलन वह आय स्तर है जहां समग्र माँग, उत्पादन के स्तर (समग्र पूर्ति) के बराबर होती है अतः AD = AS या S= I, यह पूर्ण रोजगार की स्थिति में या अल्प रोजगार की स्थिति में हो सकती है।
- **पूर्ण रोजगार :** इससे अभिप्राय अर्थव्यवस्था की ऐसी स्थिति से है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति जो शारीरिक मानसिक दृष्टि से योग्य है, को प्रचलित मौद्रिक मजदूरी की दर पर रोजगार मिल रहा है तथा व्यक्ति काम करने को तैयार है।
- **ऐच्छिक बेरोजगारी :** अर्थव्यवस्था की ऐसी स्थिति है जब योग्य व्यक्ति प्रचलित मजदूरी की दर पर कार्य करने को इच्छुक नही होता।
- **अनैच्छिक बेरोजगारी :** अर्थव्यवस्था की ऐसी स्थिति है जहाँ कार्य करने के इच्छुक व योग्य व्यक्ति प्रचलित मजदूरी दर पर कार्य करने के लिए इच्छुक है लेकिन उन्हे कार्य नही मिलता।
- अल्प रोजगार वह स्थिति होती है जहाँ कुल मांग जो पूर्ण रोजगार स्तर पर आवश्यक है कुल पूर्ति से कम हो।
- **निवेश गुणक :** निवेश में वृद्धि के फलस्वरूप, आय में वृद्धि के अनुपात को निवेश गुणक कहते है।

  K = y/ I या गुणक : आय में परिवर्तन/निवेश में परिवर्तन

  गुणक (K) इस प्रकार निवेश में परिवर्तन और परिणामस्वरूप आय में परिवर्तन के बीच अनुपात है।
- जब समग्र मांग (AD), पूर्ण रोजगार स्तर पर समग्र पूर्ति (AS) से अधिक हो जाए तो उसे अत्याधिक मांग कहते है।
- जब समग्र मांग (AD), पूर्ण रोजगार स्तर पर समग्र पूर्ति (AS) से कम होती है उसे अभावी मांग कहते है।
- स्फीति अंतराल, वास्तविक समग्र मांग और पूर्ण रोजगार संतुलन को बनाए रखने के लिए आवश्यक समग्र मांग के बीच का अंतर होता है। यह समग्र मांग के आधिक्य का माप है।
- अवस्फीति अंतराल, वास्तविक समग्र मांग और पूर्ण रोजगार संतुलन को बनाए रखने के आवश्यक समग्र मांग के बीच का अंतर होता है। यह समग्र मांग में कमी का माप है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

एक अंक वाले प्रश्न

1. समग्र मांग को परिभाषित कीजिए।
2. समग्र पूर्ति को परिभाषित कीजिए।
3. वास्तविक निवेश का अर्थ लिखिए।
4. औसत उपभोग प्रवृत्ति से क्या अभिप्राय है?
5. सीमांत उपभोग प्रवृत्ति की परिभाषा दीजिए।
6. स्वचालित उपभोग क्या है?
7. प्रत्याशित समस्त मांग से क्या अभिप्राय है?
8. क्या औसत उपभोग प्रवृत्ति का मान इकाई से अधिक हो सकता है?
9. क्या औसत उपभोग प्रवृत्ति शून्य हो सकती है?
10. औसत उपभोग प्रवृत्ति तथा औसत बचत प्रवृत्ति में क्या संबंध है?
11. यदि APS=0.6 है तो APC का मान क्या होगा?
12. प्रत्याशित बचत से क्या अभिप्राय है?
13. यदि MPC तथा MPS का मान बराबर है तो गुणक का मान क्या होगा?
14. निवेश गुणक का न्यूनतम मान क्या हो सकता है?
15. निवेश गुणक का अधिकतम मान क्या हो सकता है?
16. क्या औसत उपभोग प्रवृत्ति ऋणात्मक हो सकती है?
17. निवेश गुणक से क्या अभिप्राय है?
18. नकद आरक्षित अनुपात में वृद्धि, समग्र मांग को किस प्रकार प्रभावित करती है?
19. निवेश क्या है?
20. सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का मूल्य इकाई से अधिक क्यो नही हो सकता?

H.O.T.S. (उच्च स्तरीय बुद्धि कौशल)

21. अभावी मांग का उत्पादन तथा रोजगार पर क्या प्रभाव पड़ता है?
22. स्फीति अंतराल से क्या अभिप्राय है?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

23. किस परिस्थिति में उपभोग फलन को सीधी रेखा के रूप में प्रदर्शित किया जाता है?

24. आय में निरंतर वृद्धि का औसत उपभोग प्रवृत्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है?

25. जब MPC = ½ है तथा 100 करोड़ रू के अतिरिक्त निवेश में अर्थव्यवस्था में कितनी अतिरिक्त आय का सृजन होगा?

3-4 अंक वाले प्रश्न

1. समग्र मांग को परिभाषित कीजिए तथा इसके घटकों के बारे में लिखिए।

2. एक संख्यात्मक उदाहरण की सहायता से औसत उपभोग प्रवृत्ति तथा सीमांत उपभोग प्रवृत्ति में अंतर स्पष्ट कीजिए?

3. बचत तथा निवेश हमेशा बराबर होते है। व्याख्या कीजिए।

4. निवेश गुणक क्या है? सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति एवं निवेश गुणक के बीच संबंध का वर्णन कीजिए।

5. उत्पादन रोजगार तथा कीमत पर अत्याधिक मांग के प्रभाव की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

6. स्फीति अंतराल का अर्थ एक रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

7. एक रेखा चित्र की सहायता से अर्थव्यवस्था में न्यून (अभावी) मांग की स्थिति की व्याख्या कीजिए।

8. कोई तीन उपायों का संक्षेप में वर्णन करें जिनके द्वारा अर्थव्यवस्था में अत्याधिक मांग को नियन्त्रित किया जा सकता है।

9. निम्नलिखित कथन सही है या गलत कारण सहित लिखिए?

   (1) निवेश गुणक जब 1 होता है तो सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का मूल्य शून्य होता है।

   (2) औसत बचत प्रवृत्ति का मूल्य कभी भी शून्य से कम नही हो सकता।

10. कारण सहित बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य :

    (1) जब सीमांत उपभोग प्रवृत्ति शून्य होती है तो गुणक का मूल्य भी शून्य होता है।

    (2) औसत बचत प्रवृत्ति का मूल्य कभी भी 1 से अधिक नही हो सकता।

11. मौद्रिक नीति क्या है? किसी अर्थव्यवस्था में साख की उपलब्धता को प्रभावित करने में (1) बैंक दर (2) सीमांत आवश्यकताओं की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

12. अत्याधिक मांग क्या है? अत्याधिक मांग को नियंत्रित करने के लिए किन्ही दो राजकोषीय उपायों की व्याख्या कीजिए?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

13. राजकोषीय नीति क्या है? किसी अर्थव्यवस्था में न्यून (अभावी) मांग में सुधार लाने के लिए राजकोषीय नीति उपायों की व्याख्या कीजिए?

14. पूर्ण रोजगार संतुलन की धारणा को एक रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

15. प्रेरित निवेश तथा स्वतंत्र (स्वायत्त) निवेश में अंतर स्पष्ट कीजिए।

16. उपभोग फलन की व्याख्या कीजिए।

17. संक्षेप में सीमांत उपभोग प्रवृत्ति तथा सीमांत बचत प्रवृत्ति के सम्बन्धों की व्याख्या कीजिए।

18. यदि राष्ट्रीय आय 50 करोड़ रू० और बचत 5 करोड़ रू. हो तो औसत उपभोग प्रवृत्ति ज्ञात कीजिए। जब आय बढ़कर 60 करोड़ रू० तथा बचत बढ़कर 9 करोड़ रू० हो जाए तो औसत बचत प्रवृत्ति तथा सीमांत बचत प्रवृत्ति ज्ञात कीजिए।

19. एक अर्थव्यवस्था संतुलन में है। इसकी राष्ट्रीय आय 5000 रू और स्वतंत्र उपभोग व्यय 500 रू० है यदि सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति 0.7 हो तो कुल उपभोग व्यय कितना होगा?

20. **निम्नतालिका पूरी कीजिए :-**

आय का स्तर	बचत	सीमांत उपभोग प्रवृत्ति	APC	APS
0	- 80	-	-	-
100	-	0.7	-	-
200	-	0.7	-	-
300	-	0.7	-	-

21. यदि सीमांत बचत प्रवृत्ति 0.8 हो तो निवेश में 125 करोड़ रू. की वृद्धि राष्ट्रीय आय में कितनी वृद्धि लाएगी? परिकलन कीजिए।

22. आय का संतुलन स्तर ज्ञात कीजिए जब निवेश 60 रू. है तथा S= -40 + 0.25 y

23. क्या बेरोजगारी की स्थिति में एक अर्थव्यवस्था में संतुलन हो सकता है? व्याख्या कीजिए।

24. बैंक दर में परिवर्तन करके अत्याधिक मांग तथा न्यून (अभावी) मांग को किस प्रकार नियंत्रित किया जा सकता है? संक्षेप में व्याख्या कीजिए?

25. एक रेखाचित्र की सहायता से बचत तथा आय के संबंधो की संक्षिप्त रूप में व्याख्या कीजिए।

H.O.T.S. (उच्च स्तरीय बुद्धि कौशल)

28. दिए गए उपभोग फलन C= 1000+0.6 Y के आधार पर बचत फलन ज्ञात कीजिए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

29. एक द्विक्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में बचत तथा निवेश फलन निम्न प्रकार है

S= -10+0.2y

I= -3+0.1y

आय का संतुलन स्तर ज्ञात कीजिए।

30. निम्नलिखित से उपभोग व्यय ज्ञात कीजिए?

स्वायत्त उपभोग = 100 (रू.)

सीमांत उपभोग प्रवृत्ति = 0.70

राष्ट्रीय आय = 1000 (रू.)

31. निम्नलिखित से राष्ट्रीय आय ज्ञात कीजिए?

न्यूनतम (स्वायत्त) उपभोग स्तर = 100 (रू.)

सीमांत उपभोग प्रवृत्ति = 0.80

राष्ट्रीय आय = 50 (रू.)

(6 अंक वाले प्रश्न)

1. आय तथा उत्पादन के संतुलन स्तर पर समग्र मांग तथा समग्र पूर्ति क्यो बराबर होनी चाहिए? एक रेखाचित्र की सहायता से व्याख्या कीजिए।

2. बचत तथा निवेश वक्रों की सहायता से आय के संतुलन स्तर की व्याख्या कीजिए। यदि बचत नियोजित निवेश से अधिक हो जाए तो कैसे परिवर्तन इनमें समानता स्थापित करेंगे?

3. एक संख्यात्मक उदाहरण की सहायता से निवेश गुणक की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।

4. नियोजित निवेश के नियोजित बचत से अधिक होने का आय तथा रोजगार पर क्या प्रभाव पड़ेगा? रेखाचित्र की सहायता से व्याख्या कीजिए।

5. राजकोषीय नीति से क्या तात्पर्य है? यह अत्यधिक मांग को नियंत्रित करने में किस प्रकार सहायता करती है?

6. क्या अल्परोजगार की अवस्था में संतुलन हो सकता है? एक रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए?

7. सरकार की मौद्रिक नीति के मात्रात्मक तथा गुणात्मक उपाय अभावी मांग को कैसे नियंत्रित करते है? वर्णन कीजिए

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

8. स्फीति अंतराल तथा अवस्फीति अंतराल में अंतर बताओ। अवस्फीति अंतराल को रेखाचित्र द्वारा दिखाइए। क्या यह अंतराल आय के संतुलन स्तर पर पाया जाता है? व्याख्या कीजिए।

9. एक अर्थव्यवस्था में बचत फलन S=-50+0.5Y है (जहां S= बचत और Y= राष्ट्रीय आय) और निवेश व्यय 700 है। इससे निम्नलिखित का परिकलन कीजिए :

   (1) राष्ट्रीय आय का संतुलन स्तर।

   (2) राष्ट्रीय आय के संतुलन स्तर पर उपयोग व्यय

10. C=100+0.75Y एक उपभोग फलन है। (जहां C = उपभोग व्यय तथा Y= राष्ट्रीय आय) और निवेश व्यय 800 है। इस सूचना के आधार पर निम्नलिखित का परिकलन कीजिए:

    (1) राष्ट्रीय आय का संतुलित स्तर

    (2) राष्ट्रीय आय के संतुलित स्तर पर बचत।

11. एक अर्थव्यवस्था में निम्न उपभोग फलन दिया गया है :

    C=100+0.5Y

    एक संख्यात्मक उदाहरण की सहायता से दिखाइए कि इस अर्थव्यवस्था में जब आय वृद्धि होती है तो APC में कमी आती है।

H.O.T.S. (उच्च स्तरीय बुद्धि कौशल)

12. एक अर्थव्यवस्था के लिए बचत की सीधी रेखा खीचिए। इस रेखा से उपभोग वक्र की व्युत्पत्ति कीजिए एवं व्युत्पन्न की पद्धति का वर्णन कीजिए। यह दर्शाइए कि उपभोग वक्र के ऊपर किसी एक बिंदु पर औसत उपभोग प्रवृत्ति एक होती है

13. निवेश में वृद्धि एक अर्थव्यवस्था में आय के स्तर को किस प्रकार प्रभावित करेगी। एक उदाहरण तथा रेखाचित्र की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

14. एक रेखाचित्र की सहायता से अल्प (अपूर्ण) रोजगार की धारणा को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। निवेश में वृद्धि पूर्ण रोजगार संतुलन को प्राप्त करने में कैसे सहायता करती है?

15. समष्टि अर्थशास्त्र में अभावी मांग का क्या अर्थ है? इसे रेखाचित्र के द्वारा दर्शाइए? खुले बाजार की क्रियाएं इस समस्या के समाधान में क्या भूमिका निभाती है।

16. उन चरणो की व्याख्या कीजिए जिनके द्वारा उपभोग वक्र से बचत वक्र प्राप्त किया जा सकता है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

एक अंक वाले प्रश्नो के उत्तर

1. किसी अर्थव्यवस्था में वस्तुओं तथा सेवाओं की कुल मांग को समग्र मांग कहते है। इसे कुल व्यय के रूप में मापा जाता है।

2. एक अर्थव्यवस्था में वस्तुओं व सेवाओं की कुल पूर्ति समग्र पूर्ति कहलाती है। समग्र पूर्ति के मौद्रिक मूल्य को ही राष्ट्रीय उत्पाद या राष्ट्री आय कहते है।

3. किसी अर्थव्यवस्था में एक वित्तीय वर्ष में किए गए कुल अंतिम निवेश को वास्तविक निवेश कहा जाता है

4. औसत उपभोग प्रवृत्ति कुल उपभोग व्यय तथा कुल आय के बीच का अनुपात है

   APC = c/y

5. सीमांत उपभोग प्रवृत्ति आय में परिवर्तन के फलस्वरूप उपभोग में परिवर्तन के अनुपात को व्यक्त करती है।

   MPC = c/ y

6. आय के शून्य स्तर पर उपभोक्ता द्वारा किए जाने वाले निम्नतम उपभोग को स्वचलित (स्वायत्त) उपभोग कहा जाता है।

7. किसी अर्थव्यवस्था में एक वित्तीय वर्ष में वस्तुओं व सेवाओं की कुल अनुमानित मांग को प्रत्याशित समस्त मांग कहा जाता है।

8. हाँ समता स्तर बिंदु से पहले औसत उपभोग प्रवृत्ति इकाई से अधिक होती है।

9. औसत उपभोग प्रवृत्ति कभी भी शून्य नही हो सकती क्योकि आय के किसी भी स्तर पर उपभोग शून्य नही हो सकता।

10. APC+APS = 1

11. APC = 1-APS = 1-0.6=0.4

12. किसी अर्थव्यवस्था में आप के विभिन्न स्तरों पर गृहस्थो द्वारा की जाने वाली अनुमानित बचत को प्रत्याशित बचत कहा जाता है।

13. हम जानते है

    MPS+MPC = 1

    MPS = MPC

    MPS+MPS = 1 K=1/MPS

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

MPS = 1/2, K=2

14. K का न्यूनतम मान 1 होता है जब MPC = O

15. K का अधिकतम मान अनन्त होता है जब MPC = 1

16. नही क्योंकि आप के शून्य स्तर पर भी उपभोग शून्य नही होता।

17. निवेश में होने वाले परिवर्तन तथा आय में होने वाले परिवर्तन के अनुपात को निवेश गुणक कहते है।

18. समग्र मांग कम हो जाएगी।

19. पूंजी स्टॉक में वृद्धि को निवेश कहते है?

20. वह इसलिए कि उपभोग में परिवर्तन, आय में परिवर्तन से अधिक नही हो सकता।

21. समग्र मांग में कमी के कारण उत्पादन तथा रोजगार में कमी होगी।

22. स्फीति अंतराल वह स्थिति है जिसमें कुल मांग मात्रा पूर्ण रोजगार के स्तर पर आवश्यक कुल पूर्ति से अधिक होती है।

23. जब सीमांत उपभोग प्रवृत्ति स्थिर होती है।

24. औसत उपभोग प्रवृत्ति में कमी आती है।

25. K = 1/1-MPC = 1/1-½ = 1/0.5 =2

y = K x I

y = 2 x 100

y = 200 करोड़ रू.

Downloaded from www.studiestoday.com